NT>

Title: Regarding ban on the students' union in Benaras Hindu University.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.): उपाध्यक्ष महोदय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पूर्वांचल के ऑक्सफोर्ड के नाम से जाना जाता है और यह देश का एक ख्याति प्राप्त केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय ने राट्रीय और अन्तर्राट्रीय स्तर पर कई विभूतियों को नये आयाम देने का कार्य किया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 1997 से छात्र संघ के चुनाव पर प्रतिबन्ध लगाया गया है, इससे छात्रों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। यह प्रतिबन्ध इसलिए लगाया गया है कि इस केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अन्तर्गत बी.एच.यू. के चिकित्सालय में भ्रटाचार व्याप्त है। जब छात्रों ने सर सुन्दर लाल चिकित्सालय के अन्तर्गत व्याप्त भ्रष्टाचार का विरोध किया तो विश्वविद्यालय प्रबन्धतंत्र ने छात्रों की आवाज को दबाने के लिए छात्र संघ पर प्रतिबन्ध लगाने का काम किया। जिस विश्वविद्यालय ने एक नहीं, अनेक विभूतियों को जन्म देने का काम किया हो, उसमें छात्रसंघ के चुनाव पर प्रतिबन्ध लगाया गया और सैंकड़ों छात्रों को निकासित कर दिया गया।

उपाध्यक्ष महोदय : भारत सरकार को क्या करना है, उसके बारे में पूछिये।

कुंवर अखिलेश सिंह : मैं पहले समस्या रख दूं, तब मैं मांग करूंगा। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जिन सौ से अधिक छात्रों को निकासित किया गया है, उनमें से कई छात्र स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके हैं। इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि जिन छात्रों को निकासित किया गया है, उनका निकासन अविलम्ब समाप्त किया जाये और तत्काल काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र संघ को बहाल किया जाये, वरना छात्रों की, नौजवानों की आहें आपके शासन को भस्म कर देने का काम करेंगी।